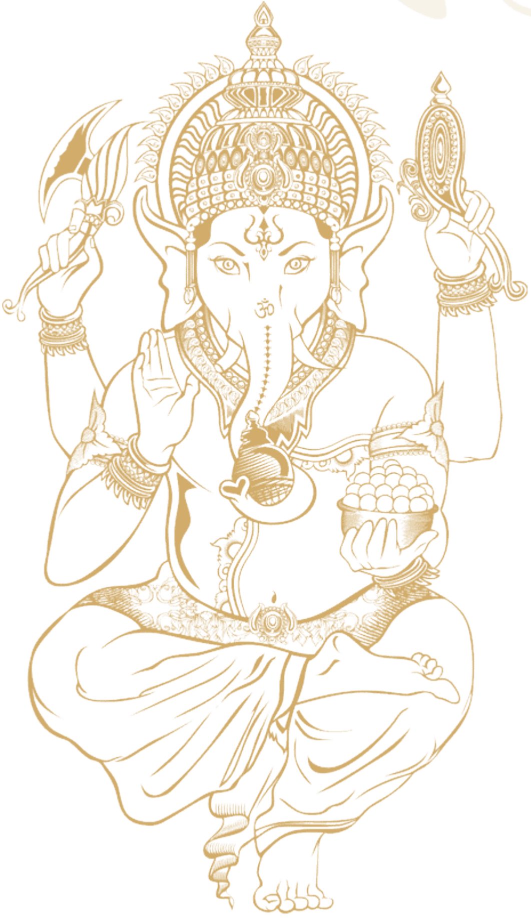

Manoj Jhamnani

12 Aug 1999

02:38 PM

Ratlam

Model: web-freekundliweb **Order No: 121500204**

लिंग ______________: पुल्लिंग

जन्म तिथि ______________: 12/08/1999

दिन ______________: गुरुवार

जन्म समय ______________: 14:38:00 घंटे

इष्ट ______________: 21:24:21 घटी

स्थान ______________: Ratlam

राज्य ______________: Madhya Pradesh

देश ______________: India

अक्षांश ______________: 23:18:00 उत्तर

रेखांश ______________: 75:06:00 पूर्व

मध्य रेखांश ______________: 82:30:00 पूर्व

स्थानिक संस्कार ______________: -00:29:36 घंटे

ग्रीष्म संस्कार ______________: 00:00:00 घंटे

स्थानिक समय ______________: 14:08:24 घंटे

वेलान्तर ______________: -00:05:07 घंटे

साम्पातिक काल ______________: 11:29:55 घंटे

सूर्योदय ______________: 06:04:15 घंटे

सूर्यास्त ______________: 19:04:43 घंटे

दिनमान ______________: 13:00:27 घंटे

सूर्य स्थिति(अयन) ______________: दक्षिणायन

सूर्य स्थिति(गोल) ______________: उत्तर

ऋतु ______________: वर्षा

सूर्य के अंश ______________: 25:23:04 कर्क

लग्न के अंश ______________: 19:46:18 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति ______________: वृश्चिक - मंगल

राशि-स्वामी ______________: सिंह - सूर्य

नक्षत्र-चरण ______________: मघा - 3

नक्षत्र स्वामी ______________: केतु

योग ______________: परिघ

करण ______________: बव

गण ______________: राक्षस

योनि ______________: मूषक

नाड़ी ______________: अन्त्य

वर्ण ______________: क्षत्रिय

वश्य ______________: वनचर

वर्ग ______________: मूषक

युँजा ______________: मध्य

हंसक ______________: अग्नि

जन्म नामाक्षर ______________: मू-मुकेश

पाया(राशि-नक्षत्र) ______________: ताम्र - रजत

सूर्य राशि(पाश्चात्य) ______________: सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चिक	19:46:18	317:49:57	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	25:23:04	00:57:36	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	07:09:51	13:40:31	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			तुला	23:30:11	00:33:05	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			कर्क	06:54:39	00:42:07	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
गुरु			मेष	10:52:20	00:02:30	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र	व	अ	सिंह	07:52:01	00:29:33	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
शनि			मेष	23:03:26	00:01:51	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	19:06:50	00:00:35	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	19:06:50	00:00:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	20:47:03	00:02:23	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप	व		मक	08:40:29	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चिक	13:54:06	00:00:13	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			सिंह	27:57:48	--	उ०फाल्गुनी	--	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:54

लग्न-चलित

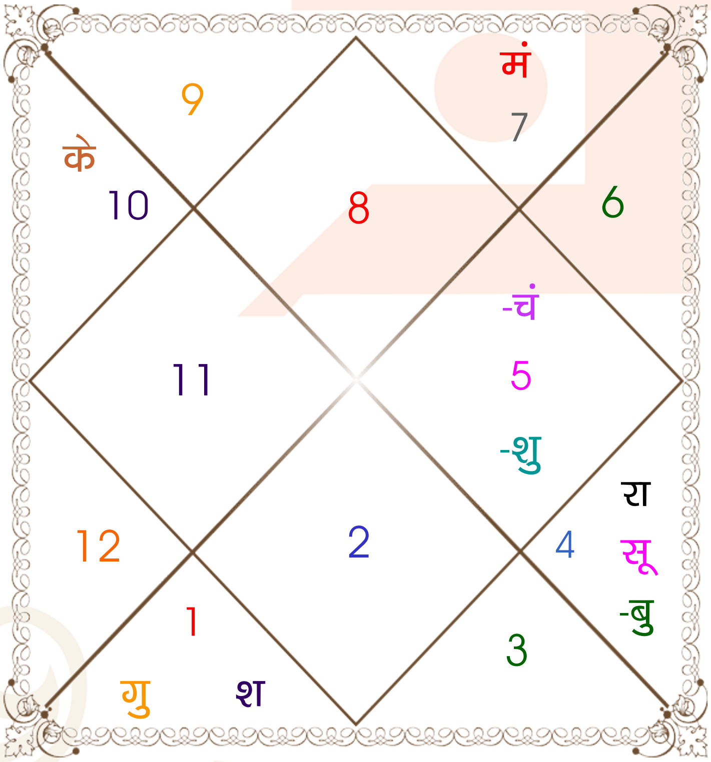

चन्द्र कुंडली

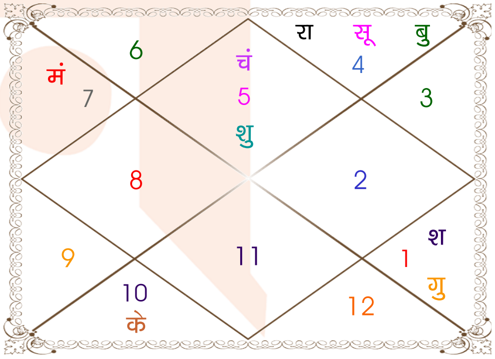

नवमांश कुंडली

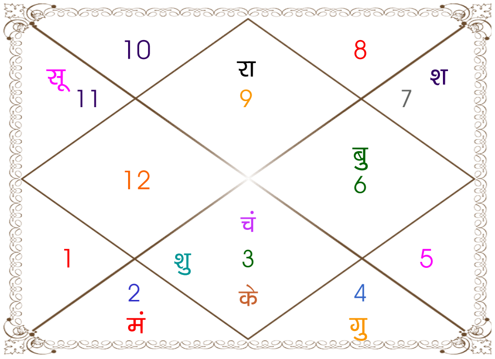

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 2 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/08/1999		**07/11/2002**		**07/11/2022**		**07/11/2028**		**07/11/2038**	
07/11/2002		**07/11/2022**		**07/11/2028**		**07/11/2038**		**07/11/2045**	
	00/00/0000	शुक्र	09/03/2006	सूर्य	25/02/2023	चंद्र	07/09/2029	मंगल	05/04/2039
	00/00/0000	सूर्य	09/03/2007	चंद्र	26/08/2023	मंगल	08/04/2030	राहु	23/04/2040
	00/00/0000	चंद्र	07/11/2008	मंगल	01/01/2024	राहु	08/10/2031	गुरु	30/03/2041
	00/00/0000	मंगल	07/01/2010	राहु	25/11/2024	गुरु	06/02/2033	शनि	08/05/2042
	12/08/1999	राहु	06/01/2013	गुरु	13/09/2025	शनि	07/09/2034	बुध	06/05/2043
राहु	26/10/1999	गुरु	07/09/2015	शनि	26/08/2026	बुध	07/02/2036	केतु	02/10/2043
गुरु	01/10/2000	शनि	07/11/2018	बुध	02/07/2027	केतु	07/09/2036	शुक्र	01/12/2044
शनि	10/11/2001	बुध	07/09/2021	केतु	07/11/2027	शुक्र	08/05/2038	सूर्य	08/04/2045
बुध	07/11/2002	केतु	07/11/2022	शुक्र	07/11/2028	सूर्य	07/11/2038	चंद्र	07/11/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/11/2045		**07/11/2063**		**07/11/2079**		**07/11/2098**		**08/11/2115**	
07/11/2063		**07/11/2079**		**07/11/2098**		**08/11/2115**		**00/00/0000**	
राहु	20/07/2048	गुरु	26/12/2065	शनि	10/11/2082	बुध	06/04/2101	केतु	05/04/2116
गुरु	14/12/2050	शनि	08/07/2068	बुध	20/07/2085	केतु	03/04/2102	शुक्र	06/06/2117
शनि	20/10/2053	बुध	14/10/2070	केतु	29/08/2086	शुक्र	01/02/2105	सूर्य	11/10/2117
बुध	08/05/2056	केतु	20/09/2071	शुक्र	29/10/2089	सूर्य	08/12/2105	चंद्र	12/05/2118
केतु	26/05/2057	शुक्र	21/05/2074	सूर्य	11/10/2090	चंद्र	10/05/2107	मंगल	09/10/2118
शुक्र	26/05/2060	सूर्य	09/03/2075	चंद्र	11/05/2092	मंगल	06/05/2108	राहु	13/08/2119
सूर्य	20/04/2061	चंद्र	08/07/2076	मंगल	20/06/2093	राहु	23/11/2110		00/00/0000
चंद्र	20/10/2062	मंगल	14/06/2077	राहु	26/04/2096	गुरु	28/02/2113		00/00/0000
मंगल	07/11/2063	राहु	07/11/2079	गुरु	07/11/2098	शनि	08/11/2115		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 3 मा 3 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।